TheHitavada

Jabalpur City Line | 2020-01-21 | Page- 8

SAIL officers undergo training on carbon sequestration at TFRI

■ Staff Reporter

Inaugural session of the training on Carbon Sequestration through Afforestation at TFRI.

WITH an objective to aware officers from different units of Steel Authority of India Limited (SAIL), a five-day training on carbon sequestration through afforestation was inaugurated at Tropical Forest Research Institute (TFRI) on Monday.

The training will provide the officers with an overview of the pollution caused by industries and ways to enhance carbon sink through afforestation programmes.

Dr G Rajeshwar Rao (ARS), Director TFRI, welcomed the participants and briefed large contribution of greenhouse gases by industries and its impact on climate change. Informing about India's Nationally Determined Contributions (NDC), he emphasised on the role of afforestation in achieving the same. C Behera, Group coordinator research, TFRI, also addressed the participants about the emergent need to address the burning issue of climate change by creating balance between developmental activities and environment protection. He suggested the officers to build their capacity through the training and develop planned strategy to maximise carbon sequestration potential of their respective units through afforestation. Dr Avinash Jain, Scientist and Training coordinator, welcomed the participants and informed them about the institute's association with SAIL. He briefed about the training and its origin as part of the research project at Rourkela Steel Plant (RSP), Odisha. Instigating concern for the rising temperature and greenhouse gases through industrial pollution, he listed loss by various natural calamities in the past decade and invoked the officers of about their contribution in mitigating impacts of climate change. Senior officers from different units of SAIL ie, RSP-Odisha, Bhilai Steel Plant, Bokaro Steel Plant, RDCIS-Ranchi, IISCO-Asansol and Environment Management Division, Kolkata have been nominated and are participating in the training programme. Dr Fatima Shirin, M Rajkumar, Dheeraj Gupta were also present during the inaugural session of the training along with other scientists and officers of the institute.

CITY ACTIVITY

City भास्कर

जबलपुर, मंगलवार, 21 जनवरी 2020 . 04

वनीकरण के माध्यम से औद्योगिक प्रदूषण कम करने के तरीके जानेंगे

टीएफआरआई में 'वनीकरण के माध्यम से कार्बन पृथक्करण' विषय पर पाँच दिवसीय कार्यक्रम की शुरूआत

सिटी रिपोर्टर, जबलपुर| उद्योगों के कारण होने वाले प्रदूषण और वनीकरण के माध्यम से इसके शमन करने के तरीकों से अवगत कराने के लिए ऊष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत हुई। 'वनीकरण के माध्यम से कार्बन पृथक्करण' विषय पर आयोजित हो रहे इस प्रशिक्षण में कार्यक्रम में स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया की विभिन्न इकाइयों के अधिकारी हिस्सा ले रहे हैं। टीएफआरआई के निदेशक डॉ. जी. राजेश्वर राव ने उद्योगों द्वारा ग्रीनहाउस गैसों से जलवायु परिवर्तन पर नकारात्मक योगदान के प्रभाव के बारे में जानकारी दी। उन्होंने वनीकरण की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया। समूह समन्वयक सी. बेहरा ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. अविनाश जैन ने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में प्रतिभागियों के योगदान के बारे में बताया। उद्घाटन सत्र में डॉ. फातिमा शिरीन, एम. राजकुमार, धीरज गुप्ता आदि मौजूद रहे।पी-3

कार्बन को खत्म करने वनों को बढ़ाने की योजना बनाकर काम किया जाए : डॉ. जी राजेश्वर राव

जबलपुर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान (टीएफआरआई) में 'वनीकरण के माध्यम से कार्बन प्रथक्करण' विषय पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार से आरंभ हुआ। संस्थान निदेशक डॉ. जी राजेश्वर राव ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करके कहा कि कार्बन को खत्म करने वनों को बढ़ाने योजना बनाकर काम किया जाए। उन्होंने स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (सेल) के अधिकारियों को उद्योगों से होने वाले प्रदूषण और वनीकरण के माध्यम से इसके शमन के तरीके भी बताए।

टीएफआरआई निदेशक डॉ. राव ने सेल के अधिकारियों को उद्योगों द्वारा ग्रीनहाउस गैसों से जलवायु परिवर्तन व प्रभाव बताए। साथ ही आईएनडीसी और वनीकरण की महत्वपूर्ण भूमिका बताई। कार्यक्रम में सी बेहरा समूह समन्वयक अनुसंधान ने प्रतिभागियों को विकासात्मक गतिविधियों और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाकर जलवायु परिवर्तन के ज्वलंत मुद्दे के समाधान की जरूरत बताई। उन्होंने सेल के अधिकारियों से 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम द्वारा वनीकरण के माध्यम से कार्बन प्रथक्करण क्षमता को बढ़ाने रणनीति बनाकर काम करने का सुझाव दिया। डॉ. अविनाश जैन विज्ञानी व प्रशिक्षण समन्वयक ने ओडिशा के राउरकेला स्टील प्लांट में अनुसंधान परियोजना व प्रशिक्षण की जानकारी दी। उन्होंने एक दशक में विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं का उल्लेख करके सेल के अधिकारियों को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में वनीकरण का योगदान बताया।

टीएफआरआई निदेशक डॉ. राव ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में रखे विचार

टीएफआरई में प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित विशेषज्ञ।

यहां के अधिकारी आए: प्रशिक्षण कार्यक्रम में सेल की विभिन्न इकाईयों आरएसपी ओडिशा, भिलाई स्टील प्लांट, बोकारो स्टील प्लांट, आरडीसीआईएस रांची, आईआईएससीओ आसनसोल और पर्यावरण प्रबंधन प्रभाग, कोलकाता के विभिन्न वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

ये रहे उपस्थित: प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में डॉ. फातिमा शिरीन, एम राजकुमार, धीरज गुप्ता और संस्थान के अन्य विज्ञानी व अधिकारी उपस्थित रहे।

पत्रिका PLUS
citylive . 16 | PLUSH . 17 | Bollywood . 18 जबलपुर, बुधवार, 22.01.2020 PATRIKA.COM/

ग्रीनरी से नियंत्रित करेंगे कार्बन उत्सर्जन

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जबलपुर ◆ ऊष्ण वन कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में वनीकरण के माध्यम से कार्बन पृथक्करण पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में दूसरे दिन मंगलवार को वैज्ञानिकों ने प्रजेंटेशन दिया। प्रशिक्षण अधिकारियों को उद्योगों के कारण होने वाले प्रदूषण को वनीकरण के माध्यम से कम करने पर मंथन किया जा रहा है। वैज्ञानिक और प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. अविनाश जैन ने उड़ीसा के राउरकेला स्टील प्लांट में अनुसंधान परियोजना और प्रशिक्षण के बारे में जानकारी दी।

निदेशक डॉ. राजेश्वर राव ने उद्योगों के ग्रीनहाउस गैसों से जलवायु परिवर्तन पर नकारात्मक योगदान के प्रभाव के बारे में जानकारी दी। समूह समन्वयक अनुसंधान सी. बेहरा ने प्रतिभागियों को विकासात्मक गतिविधियों और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाकर जलवायु परिवर्तन के ज्वलंत मुद्दे के समाधान की आवश्यकता के बारे में बताया।

City भास्कर जबलपुर, शनिवार, 25 जनवरी 2020 . 02

प्रशिक्षण में सीखा वनीकरण के माध्यम से कार्बन पृथक्करण

जबलपुर। वनीकरण के माध्यम से कार्बन पृथक्करण विषय पर टीएफआरआई में आयोजित 5 दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हुआ। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड की विभिन्न इकाइयों के अधिकारियों के लिए आयोजित इस प्रशिक्षण में अधिकारियों को जलवायु परिवर्तन, वनीकरण एवं वानिकी हस्तक्षेप के माध्यम से, इसके शमन के तरीकों से अवगत कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान नर्मदा नदी तथा पौधारोपण और मजीठा नर्सरी का फील्ड दौरा भी हुआ। अधिकारियों ने प्रयोग शालाओं, मकड़ालय और संग्रहालय का भी दौरा किया। भिलाई स्टील प्लांट के महाप्रबंधक के. प्रवीण और कोलकाता सेल के पर्यावरण प्रबंधन प्रभाग के वरिष्ठ प्रबंधक वीरेंद्र सिंह ने सेल द्वारा किए पर्यावरण प्रबंधन प्रयासों पर बातचीत की। समापन अवसर पर समूह समन्वयक अनुसंधान टीएफआरआई सी. बेहरा और प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. अविनाश जैन ने प्रमाण पत्र वितरित किए। इस मौके पर डॉ. फातिमा शिरीन, डॉ. अरुण कुमार, डॉ. गीता जोशी, डॉ. नसीर मोहम्मद, एजेके असैया, एम. राजकुमार, धीरज गुप्ता, सैकत बैनर्जी, राघवेंद्र सिंह, रामू नायक, श्रीमती पूजा सिंह आदि की मौजूदगी रही।पी-3

6 नईदुनिया जबलपुर, शनिवार 25 जनवरी 2020 जबलपुर सिटी आसपास

कार्बन कम करने का आसान उपाय पौधरोपण

जबलपुर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। वायुमंडल से कार्बन डाई ऑक्साइड गैस को कम करने का आसान उपाय गैस अवशोषित करनेवाले पौधों का रोपण करना है। उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान (टीएफआरआई) के 5 दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान विज्ञानियों ने यह बात स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के अधिकारियों को बताई।

शुक्रवार को टीएफआरआई में 'वनीकरण के माध्यम से कार्बन पृथक्करण' विषय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन हुआ। इससे पहले सेल के अधिकारियों ने मजीठा नर्सरी व अन्य स्थलों का भ्रमण किया। इस अवसर पर अधिकारियों को जलवायु परिवर्तन और वनीकरण, वानिकी हस्तक्षेप से इसके शमन के तरीके बताए गए। टीएफआरआई के विज्ञानियों व अधिकारियों ने औद्योगिक पौधरोपण के विभिन्न पहलुओं पर

टीएफआरआई की कार्यशाला के समापन कार्यक्रम में प्रमाणपत्र देते अधिकारी।

बात की। इसमें पौधरोपण में कार्बन पृथक्करण व मूल्यांकन, कृषि वानिकी में कार्बन अनुक्रम, जीआईएस के माध्यम से पौधरोपण की निगरानी, पर्यावरण अनुकूलित कीट प्रबंधन, भारतीय चंदन का पुनर्जीवन, जैव उर्वरक की भूमिका उद्योगों में बांस की क्षमता और संभावनाएं, पौधरोपण से नर्मदा नदी का कायाकल्प भी शामिल रहा। सेल के अधिकारियों ने नर्मदा तट, मजीठा नर्सरी, प्रयोगशालाओं, मकड़ालय और संग्रहालय का दौरा भी किया।

प्रमाण-पत्र बांटे: कार्यक्रम के अंत में टीएफआरआई के सी बेहरा समूह समन्वयक अनुसंधान, डॉ. अविनाश जैन प्रशिक्षण समन्वयक ने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र बांटे। इस अवसर पर डॉ. फातिमा शिरीन, डॉ. अरुण कुमार, डॉ. गीता जोशी, डॉ. नसीर मोहम्मद, एजेके असैया, एम राजकुमार, धीरज गुप्ता, सैकत बनर्जी, राघवेंद्र सिंह, रामू नायक, पूजा सिंह और संस्थान के विज्ञानी व अधिकारी मौजूद रहे।

इन्हें मिला प्रशिक्षण: प्रशिक्षण में सेल की विभिन्न इकाईयों क्रमश: आरएसपी ओडिशा, भिलाई स्टील प्लांट, बोकारो स्टील प्लांट, आरडीसीआईएस रांची, आईआईएससीओ आसनसोल और पर्यावरण प्रबंधन प्रभाग कोलकाता के अधिकारी शामिल रहे।

TheHitavada

Jabalpur City Line | 2020-01-25 | Page- 6

Training on 'Carbon Sequestration through Afforestation' concludes

■ Staff Reporter

FIVE-DAY training on 'Carbon Sequestration through Afforestation' for officers from different units of Steel authority of India (SAIL) concluded at Tropical Forest Research Institute (TFRI), on Friday. The training equipped the officers with the recent trends of climate change and technologies to enhance carbon sink through forestry interventions and industrial plantations.

During the training programme, scientists and officers delivered talks on various aspects of industrial plantations like increasing carbon sequestration in industrial plantation and its assessment in different pools, carbon sequestration in agroforestry systems, monitoring of plantations through GIS and RS tools, eco-friendly management of insect pests, sustainable tree cover management, reviving Indian sandalwood, importance of quality planting stock, role of biofertilizers, carbon credits through industrial plantations, potential and prospects of Bamboo in industries and Narmada river rejuvenation through plantations.

Field visit to Narmada river bank plantation and Majitha nursery was also conducted during the training programme for demonstration of various field techniques and generation of large-scale quality planting material for plantations. Officers also keenly visited laboratories, Arachnarium, and Museum of the institute and interacted about various research activities and services offered by TFRI.

Distribution of certificates to the officers from SAIL during training on Carbon Sequestration through Afforestation at TFRI.

K Praveen, General Manager, Bhilai Steel Plant and Veerendra Singh, Senior Manager, Environment Management Division, SAIL, Kolkata also delivered talks on emission reduction and environment management activities undertaken by SAIL. The training concluded with the distribution of certificates by C Behera, IFS, group Coordinator Research, TFRI and Dr Avinash Jain, Training Coordinator.

Senior officers from different units of SAIL ie, RSP-Odisha, Bhilai Steel Plant, Bokaro Steel Plant, RDCIS-Ranchi, IISCO-Asansol and Environment Management Division, Kolkata participated in the training programme. Dr Fatima Shirin, Dr Arun Kumar, Dr Geeta Joshi, Dr Naseer Mohammad, AJK Asaiya, M Rajkumar, Dheeraj Gupta, Saikat Banerjee, Raghvendra Singh, Ramu Naik and Pooja Singh were also present during the valedictory of the training along with other scientists and officers of the institute.